Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

# क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 44, शुक्रवार, 09 मार्च 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

## सार समाचार

### यूपी के इस स्कूल में पढ़ाई के लिए हो रहा 3ष्ठ टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल

**गोंडा।** उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के प्राथमिक विद्यालय पकवान गांव में थ्री डी टेक्नोलॉजी के आधार पर शिक्षण कार्य किया जा रहा है। जिसमें मोबाइल के माध्यम से ऐप डाउनलोड कर बच्चों की किताबों पर कई प्रकार के जानवर उतारे जा रहे हैं। इस टेक्नोलॉजी से पढ़ाई करना बहुत ही आसान है। साथ ही साथ बच्चे भी प्रभावपूर्ण ढंग से सीख रहे हैं। जिसमें कई प्रकार के मैमल्स रेप्टाइल्स है। जूम काम ऐप्स की सहायता से शिक्षक अपने शिक्षण कार्य को रुचिकर व प्रभाव पूर्ण बना रहे हैं। साधारण तौर पर अभिभावक भी इसका उपयोग अपने बच्चों को जानवरों के नाम सहित , पाट्र्स ऑफ बॉडी व हिंदी वर्णमाला के अलावा अंग्रेजी वर्णमाला को आसानी से सिखा सकते हैं। 3ष्ठ टेक्नोलॉजी का उपयोग हैं। इसे आसानी से विद्यालय में किया जा सकता है। प्रधानाध्यापक राखाराम ने बताया कि इसमें कई प्रकार के पक्षी, जानवर बच्चों की किताबों पर चलते हुए नजर आते हैं।

### बारहवीं के फिजिक्स के पेपर में उलझे परीक्षार्थी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के साइंस स्ट्रीम के विद्यार्थी बुधवार को अपनी पहली फिजिक्स की परीक्षा में उलझे। दरअसल परीक्षा में करीब तीन प्रश्न उलझाने वाले थे और लैंदी थे। दो प्रश्न तीन-तीन अंक वाले और एक प्रश्न पांच अंक का था, जो परीक्षार्थियों को मुश्किल लगा। लिहाजा परीक्षार्थियों के लिए पेपर थोड़ा मुश्किल भरा रहा। पेपर कुल 70 अंकों का था। पीतमपुरा स्थित एमएम पब्लिक स्कूल की फिजिक्स की शिक्षिका शिवांगी ने बताया कि फिजिक्स की परीक्षा में एक अंक के पांच, 2 अंक के पांच, 3 अंके के 11 प्रश्न, 1 प्रश्न मूल्य अधारित चार अंकों का और पांच अंको के तीन प्रश्न पूछे गये थे। तीन प्रश्नों के चलते परीक्षार्थी मेघा, रिया और भावना आदि ने बताया कि पेपर थोड़ा मुश्किल था और कुछ प्रश्न छूट भी गए।

### महिला सुरक्षा देश के लिए बड़ा मुद्दा : गोपाल राय

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आप के प्रदेश अध्यक्ष और दिल्ली सरकार में मंत्री गोपाल राय ने यहां आयोजित समारोह में कहा कि महिला सुरक्षा आज न केवल दिल्ली में बल्कि उत्तर भारत के तमाम राज्यों समेत पूरे भारत में एक बड़ा ही महत्वपूर्ण मुद्दा है। उन्होंने कहा कि देश की महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करना हमारी पुलिस और उस पुलिस को संभालने वाली सरकारों की जिम्मेदारी है। विधानपालिका की यह जिम्मेदारी बनती है कि महिला सुरक्षा से सम्बंधित कड़े कानून बनें ताकि कोई भी महिला के ख़िलाफ होने वाले अपराध को करने के बारे में सोचे तक नहीं। राय यहां आप के दिल्ली प्रदेश महिला संगठन की ओर से ''अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' की पूर्व संध्या पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के तौर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए डीटीसी की बसों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए होमगार्ड के जवानों की तैनाती कर रखी है ताकि बसों में महिलाएं अपने आप को सुरक्षित महसूस कर सकें, इसके अलावा अभी हाल ही में सरकार ने दिल्ली में डेढ़ लाख सीसीटीवी कैमरों का टेंडर प्रोसेस किया है जिनके लगने के बाद कुछ हद तक महिलाएं अपने आप को सुरक्षित महसूस करेंगी।

### डीएसजीसी ने नवजोत को किया सम्मानित

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली सिख गुरु द्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीसी) ने बुधवार को एशियाई गोल्ड मेडलिस्ट नवजोत कौर को सम्मानित कर एक लाख रु पए का चेक भेंट किया। कमेटी के प्रधान मनजीत सिंह जीके और महासचिव मनिजन्दर सिंह सिरसा और अन्य सदस्यों की तरफ से उनका सम्मान किया गया। इस मौके उसके पिता स. सुखचैन सिंह और बहन नवजीत कौर भी उपस्थित थे। नवजोत कौर ने किर्गिजतान के बिश्केक में सीनियर एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत कर यह स्थान हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला बनने का सौभाग्य हासिल किया है। मनजीत ने कहा कि नवजोत कौर ने इस कामयाबी के साथ सिख कौम का सम्मान बढ़ाया है । उन्होंने कहा कि नवजोत कौर ने उस क्षेत्र में यह बड़ा मुकाम हासिल किया है जिस क्षेत्र को हमेशा पुरु षों का क्षेत्र माना जाता था। उन्होंने कहा कि उनकी प्राप्ति कौम की अन्य लड़िकयों के लिए जीवन में बुलंदियां हासिल करने के लिए काम करने के लिए प्रेरणा बनेगी।

# आंध्र विवादः राहुल बोले- सत्ता में आने पर देंगे विशेष राज्य का दर्जा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर एनडीए में दरार आ गई है। इस मुद्दे पर केंद्र सरकार से नाराज तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के दो मंत्रियों के इस्तीफा देने से पहले ही राज्य सरकार में बीजेपी कोटे के मंत्रियों ने पद से इस्तीफा दे दिया है। बताया जा रहा है कि कुछ ही देर में मोदी कैबिनेट में शामिल टीडीपी के दोनों मंत्री भी इस्तीफा दे सकते हैं।

**आंध्र प्रदेश को विशेष दर्जा देने वाले का समर्थन करेंगे : रेड्डी**

वाईएसआर कांग्रेस के प्रमुख वाई.एस.जगनमोहन रेड्डी ने गुरुवार को कहा कि हम उस पार्टी का समर्थन करेंगे, जो आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा देने का वादा करेगी।

रेड्डी ने प्रकासम जिले में बताया, जो भी आंध्र प्रदेश को विशेष दर्जा देने संबंधी फाइल पर हस्ताक्षर करेगा, हम उसका समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दोनें ने आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दजा देने का झूठा वादा कर धोखा दिया है। इसी बीच, कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो वह आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा देगी।

इससे पहले टीडीपी प्रमुख और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार देर रात प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा देने का वादा नहीं निभाया है।

चंद्रबाबू ने कहा, हम सरकार का हिस्सा यह सोचकर बने थे आंध्र प्रदेश के साथ न्याय होगा। हालांकि टीडीपी ने अभी एनडीए से अलग होने का एलान नहीं किया है। केंद्र सरकार में टीडीपी के अशोक गजपति राजू कैबिनेट मंत्री और वाईएस चौधरी राज्यमंत्री हैं। उधर,आंध्र प्रदेश की सरकार में शामिल भाजपा के दो मंत्रियों ने भी इस्तीफा देने का फैसला किया है।

**विशेष राज्य का दर्जा संभव नहीं, दूसरे तरीकों से मदद: जेटली**

टीडीपी को साधने के लिए सरकारी स्तर पर चल रहे प्रयासों के बीच भाजपा ने दो टूक कहा कि वह संसद में उसके हंगामे को और ज्यादा बर्दाश्त नहीं करेगी। टीडीपी पहले यह तय करे कि भाजपा के साथ रहना है या नहीं। भाजपा का कहना है कि साथ में रहना है तो उनकी मांगों पर रास्ता निकाला जा सकता है। लेकिन विशेष राज्य का दर्जा संभव नहीं है। वित्त मंत्री अरुण जेटली ने टीडीपी की मांगों पर स्थिति साफ कर दी है। बता दें कि आंध्र प्रदेश की राजनीति में भाजपा-टीडीपी के बीच टकराव बढ़ रहा है। टीडीपी सांसद दोनों सदनों को बाधित कर रहे हैं।

**गेंद टीडीपी के पाले में :** भाजपा नेतृत्व ने टीडीपी से कहा कि उसे साथ रहना है तो दूसरे रास्तों से समस्या का हल निकाला जा सकता है, लेकिन साथ में रहते हुए संसद में हंगामा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अब गेंद टीडीपी के पाले में है। विकल्प के तौर पर भाजपा के संपर्क में जगन मोहन के नेतृत्व वाली वाईएसआर कांग्रेस व पवन कल्याण के नेतृत्व वाला दल है।

**पीएम से मिल चुके हैं चंद्रबाबू :** सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री की भी टीडीपी नेता चंद्रबाबू नायडू से पहले चर्चा हो चुकी है। टीडीपी सांसदों ने मंगलवार को वित्त मंत्री अरुण जेटली से मुलाकात कर अपनी मांगे रखी थी, जिसमें उन्होंने स्थिति साफ कर दी थी।

**जेटली ने गिनाई यह वजह :** जेटली ने कहा कि नए राज्य के गठन के समय विशेष राज्य का दर्जा देने की श्रेणी शामिल थी, लेकिन 14 वें वित्त आयोग में उसे केवल पहाड़ी व पूर्वोत्तर राज्यों तक सीमित कर दिया गया है।

ऐसे में विशेष राज्य का दर्जा देना संभव नहीं है। हालांकि केंद्र उसे विशेष राज्यों के समकक्ष वित्तीय मदद देने को तैयार है। जेटली ने कहा कि राज्य के विभाजन के समय केंद्र सरकार ने जो वादे किए थे उन्हें पूरा किया जा रहा है।

# सीएम योगी बोले-अपवित्र है सपा-बसपा गठबंधन, दोनों डूबेंगे

**इलाहाबाद। (एजेंसी)** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकसभा उपचुनाव के लिए हुए सपा और बसपा के गठबंधन को अपवित्र बताया। उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियों ने अपनी-अपनी सरकार में प्रदेश को लूटा है। मुख्यमंत्री गुरुवार को सोरांव विधानसभा क्षेत्र में जलालपुर स्थित जवाहर लाल इंटर कॉलेज मैदान में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। फूलपुर उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी कौशलेंद्र सिंह पटेल के समर्थन में हुई इस सभा में योगी ने सपा व बसपा को निशाने पर रखा। कहा कि दोनों डूब रहे थे, इसलिए एक दूसरे का सहारा बन रहे हैं। डूबती सपा को तिनके का सहारा है बसपा का साथ लेकिन अब दोनों डूबेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनाती है त्रिपुरा में और गठबंधन होता है यूपी में। भाजपा डॉ. भीमराव अंबेडकर को सबसे ज्यादा सम्मान देती है। मुख्यमंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि जैसे बिच्छू की प्रवृत्ति नहीं बदलती वैसे ही सपा भी नहीं सुधर सकती। उन्होंने दावा किया कि 11 माह में जितना विकास फूलपुर में हुआ उतना आजादी के बाद कभी नहीं हुआ था। पहले बिजली सिर्फ चार जिलों में मिलती थी। आज पूरे प्रदेश में मिल रही है। इससे पहले उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लोगों से कहा कि पंडित नेहरू से ज्यादा वोटों से हमें जिताया था लेकिन उससे अधिक मतों से कौशलेंद्र पटेल को जिताइए। तय करना होगा कि फूलपुर को विकास का कमल चाहिए या गुंडागर्दी की साइकिल। केशव ने तंज कसा कि राहुल गांधी साइकिल पर बैठे तो पंक्चर हो गई। अब हाथी बैठ गया है तो उसका क्या हाल होगा। उन्होंने कहा कि 100 में 53 प्रतिशत लोकसभा में भाजपा को मिला। अबकी बार का नारा है, सौ में 60 हमारा है बाकी में बंटवारा है। उनका कहना था कि सपा, बसपा व कांग्रेस एक हो जाएं और अतीक अहमद को भी साथ ले लें तब भी कुछ नहीं होगा। जब त्रिपुरा में कमल खिल गया तो फूलपुर में भी जरूर खिलेगा। विकास के लिए पैसा चाहिए और लक्ष्मी कमल पर ही आती हैं।परिवहन मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि जय श्रीराम, वंदेमातरम् और भारत माता की के जय का नारा सिर्फ भारतीय जनता पार्टी के मंच पर लग सकता है। प्रत्याशी कौशलेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि फूलपुर लोकसभा क्षेत्र का सेवक बनकर रहूंगा। भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त बोले कि भाजपा ने 52 फीसदी बजट किसानों को दिया है। इसमें और बढ़ोत्तरी होगी।

### आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर मिला तेंदुए का शव

एटा। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार को करहल थाना क्षेत्र के ग्राम नगला सेवाराम के निकट एक तेंदुए का शव बरामद हुआ। तेंदुए का शव को देखते ही ग्रामीणों में दहशत फैल गई। इसकी जानकारी पाकर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। खबर पाकर डीएफओ मैनपुरी टीम लेकर मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लिया। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर बुधवार की रात अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने तेंदुए को टक्कर मारी। जिससे उसके पिछले हिस्से में चोट आई और वह वही मर गया। सुबह खेतों की तरफ निकले लोगों ने तेंदुए का शव देखा तो शोर मचा कर आसपास के लोगों को बुला लिया। सैकड़ों की संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। लोग इस बात से हैरान थे कि आखिर तेंदुआ कहां से आया। घटना की जानकारी मिलते ही डीएफओ सिद्धार्थ अंबेडकर अपनी टीम लेकर मौके पर पहुंच गए। तेंदुए के शव को अपने कब्जे में लिया और उसे मैनपुरी स्थित वन विभाग कार्यालय लाया गया।

## डीएलएड 2018-19 सत्र में प्रवेश को रजिस्ट्रेशन 3 अप्रैल से

**इलाहाबाद।** डिप्लोमा इन एलीमेंटरी एजुकेशन (डीएलएड) 2018-19 सत्र में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 3 अप्रैल से शुरू होगा। पूर्व में बीटीसी नाम से संचालित डीएलएड की सरकारी और निजी कॉलेजों में तकरीबन सवा दो लाख सीटों पर प्रवेश के लिए अभ्यर्थी 23 अप्रैल की शाम 6 बजे तक रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। आवेदन शुल्क 4 से 25 अप्रैल तक जमा होगा। ऑनलाइन आवेदन पूर्ण करने और प्रिंट आउट लेने की समयसीमा 27 अप्रैल की शाम 6 बजे तक है। सचिव शासन मनीषा त्रिघाटिया ने डीएलएड प्रवेश का शासनादेश 6 मार्च को जारी किया है। समय सारिणी के अनुसार आवेदन के लिए एनआईसी लखनऊ 27 मार्च तक साफ्टवेयर तैयार करेगा। सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी एलनगंज की ओर से 28 मार्च तक विज्ञापन जारी होगा। अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन में की गई त्रुटि में संशोधन का मौका एक मई से 4 मई की शाम 6 बजे तक मिलेगा। अभ्यर्थियों के वर्गवार/श्रेणीवार मेरिट के क्रम में राजकीव एवं निजी संस्थानों में आवंटित सीटों के सापेक्ष चयन के लिए 15 से 28 मई तक संस्थान का विकल्प चुनने का अवसर दिया जाएगा।

# जानिए 8 मार्च को क्यों मनाते हैं अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस गुरुवार को मनाया जाएगा। सबसे पहले 1909 में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया था। इसे संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1975 से मनाना शुरू किया। विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के प्रति सम्मान, प्रशंसा और प्यार प्रकट करते हुए इस दिन को महिलाओं के आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक उपलब्धियों के उत्सव के तौर पर मनाया जाता है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे हैं लेकिन अतीत में ऐसा नहीं था। जिस प्रकार की आजादी आज हम महिलाओं को प्राप्त हुए देखते हैं, वे पहले नहीं थीं। न वे पढ़ पाती हैं न नौकरी कर पाती थीं और न ही उन्हें वोट डालने की आजादी थी।

**कैसे हुई शुरुआत**

1908 में 15000 महिलाओं ने न्यूयॉर्क सिटी में वोटिंग अधिकारों की मांग के लिए, काम के घंटे कम करने के लिए और बेहतर वेतन मिलने के लिए मार्च निकाला। एक साल बाद अमेरिका की सोशलिस्ट पार्टी की घोषणा के अनुसार 1909 में यूनाइटेड स्टेट्स में पहला राष्ट्रीय महिला दिवस 28 फरवरी को मनाया गया।

1910 में clara zetkin (जर्मनी की सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी की महिला ऑफिस की लीडर) नामक महिला ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का विचार रखा, उन्होंने सुझाव दिया की महिलाओ को अपनी मांगो को आगे बढ़ने के लिए हर देश में अंतराष्ट्रीय महिला दिवस मनाना चाहिए। एक कांफ्रेंस में 17 देशो की 100 से ज्यादा महिलाओ ने इस सुझाव पर सहमती जताई और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की स्थापना हुई, इस समय इसका प्रमुख उद्देश्य महिलाओं को वोट का अधिकार दिलवाना था।

19 मार्च 1911 को पहली बार आस्ट्रिया डेनमार्क, जर्मनी और स्विट्ज़रलैंड में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। 1913 में इसे ट्रांसफर कर 8 मार्च कर दिया गया और तब से इसे हर साल इसी दिन मनाया जाता है।

# प्रशासन ने सामूहिक विवाह समारोह में करायी पूनम की थी शादी, हो गई हत्या

**कानपुर (एजेंसी)।** बिठूर की पूनम मौर्या ने मात्र 18 दिन पहले सामूहिक विवाह समारोह में उन्नाव के अंकुश के साथ शादी रचायी थी। बुधवार को वह घर से निकली तो फिर वापस नहीं लौटी, रात में किसी वक्त उसकी हत्या कर दी गयी। गुरुवार को सुबह उसका शव बिठूर में सिंहपुर के पास मिला। पुलिस की कवायद के बाद दोपहर में उसकी पहचान हो सकी।

17 फरवरी को कानपुर के ब्रजेन्द्र स्वरूपपार्क में जिला प्रशासन ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत विवाह समारोह आयोजित किया था। बिठूर की 22 साल की पूनम की शादी भी इसी समारोह में परागीखेड़ा, उन्नाव के रहने वाले अंकुश मौर्या के साथ हुई थी। शादी से वह बहुत खुश थी, होली पर अपने घर सिंहपुर आयी थी।

बुधवार शाम गले में कुछ तकलीफ होने पर वह घर से अस्पताल के लिए निकली थी, घर से जाते वक्त वह मोबाइल घर पर ही भूल गयी। देर शाम तक वह घर नहीं लौटी तो परिवार वाले परेशान हो गए। रात में उसकी खोज शुरू की लेकिन कुछ पता नहीं चला। सुबह लोगों ने सिंहपुर के पास उसका शव देखा तो पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने शव की पहचान की कवायद शुरू की, इस बीच महिला की शव मिलने की खबर पूनम के परिवार तक पहुंच गयी। परिवार वाले मौके पर पहुंचे तो पूनम का शव देखकर फफक पड़े। इसके बाद पूनम की ससुराल में भी सूचना दी गयी।

परिवार वालों ने बताया कि उनकी किसी से दुश्मनी नहीं है। पुलिस के अनुसार पूनम के सर में गहरी चोट है और उसका गला दबाया गया है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि देर शाम अंधेरे में उसको किसी ने गलत नियत पकड़ा और विरोध करने पर मार डाला। एसपी भी पोस्टमार्टम हाउस में पूनम के घर व ससुराल वालों से बात करने के लिए पहुंचे, हालांकि हत्या का कारण साफ नहीं हो पाया है।

## >> दिजबो से पूछा, आपने यमुना का पानी साफ करने के लिए क्या किया

# नाले में तब्दील होकर रह गई यमुना : एनजीटी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने बुधवार को इस बात पर दिल्ली जल बोर्ड (दिजबो) की आलोचना की कि यमुना में अमोनिया के उच्च स्तर के लिए हरियाणा जिम्मेदार है। ट्रिब्यूनल ने कहा कि यह नदी राजधानी में एक नाले में तब्दील होकर रह गई है। न्यायमूर्ति जावीद रहीम की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिजबो से पूछा कि उसने यमुना का पानी साफ करने के लिए क्या किया है और दिजबो को स्पष्ट कर दिया कि वह केवल नदी में प्रदूषण को लेकरचिंतित है और दोनों राज्यों के बीच जल बंटवारे के मुद्दे पर नहीं जा रहा है। ट्रिब्यूनल ने कहा कि आप यहां- वहां की बातें क्यों कर रहे हैं?

हम केवल यमुना में प्रदूषण को लेकरचिंतित हैं। आप हमेशा एक नई योजना के साथ आ जाते हैं। हम पूरी यमुना की बात कर रहे हैं न कि एक अलग- अलग हिस्से की। हम यमुना को अलग- अलग हिस्से में नहीं बांट रहे हैं, क्योंकि यह पूरी एक पारिस्थितिकी है। ट्रिब्यूनल ने कहा कि आप चाहते हैं कि हरियाणा आपको ज्यादा पानी दे ताकि नदी में प्रदूषकों का विलयन हो, लेकिन बताइए कि आपने क्या किया है।

आपके क्षेत्र में यमुना सीवर लाइन बन गई है। एक घंटे से ज्यादा चली कार्यवाही के दौरान डीजेबी के वकील ने कहा कि हरियाणा को निर्देश दिया जाना चाहिए कि वह यमुना में ज्यादा पानी छोड़े और उसे कहा जाना चाहिए कि राष्ट्रीय राजधानी में आपूत्तर के लिए वह जल का शोधन करे।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में पेयजल की गंभीर समस्या है और हरियाणा या दिल्ली में यमुना नदी को प्रदूषित करने वाले उद्योगों को तुरंत निर्देश दिया जाना चाहिए। हरियाणा सरकार के वकील ने इसका विरोध किया और कहा कि दिजबो को आरोप-प्रत्यारोप में पड़ने के बजाए जल शोधन की क्षमता बढानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाए कि दिजबो ने अधिकरण के आदेशों का पालन नहीं किया क्योंकि मुद्दे के समाधान के लिए आयोजित बैठक में इसके मुख्य सचिव ने हिस्सा नहीं लिया। सुनवाई अनिर्णित रही और नौ मार्च को भी सुनवाई जारी रहेगी। इससे पहले ट्रिब्यूनल ने हरियाणा सरकार को यमुना नदी में अमोनिया एवं अन्य प्रदूषकों के मुद्दे के समाधान के लिए कार्य योजना सौंपने के लिए कहा था।

मनुष्य दूसरे के जिस कर्म की निंदा करे उसको स्वयं भी न करे। जो दूसरे की निंदा करता है, किंतु स्वयं उसी निंद्य कर्म में लगा रहता है, वह उपहास का पात्र होता है -वेदव्यास

## नेताओं पर भ्रष्टाचार

त्रिपुरा में दो स्थानों से लेनिन की मूर्तियों को गिराने का समाचार चिंतित करने वाला है। इसमें दो राय नहीं कि भाजपा और वामपंथी दलों के बीच सीधा वैचारिक संघर्ष है। दोनों एक दूसरे के विचारकों या संस्थापकों के प्रति असम्मान का भाव रखते हैं। यह भी ठीक है कि 1990 के दशक में कम्युनिस्ट सत्ताओं के ध्वंस के बाद लेनिन से लेकर स्टालिन ही नहीं मार्क्स एवं एंजिल्स की मूर्तियां भी लोगों ने जगह-जगह ध्वस्त कर दिया। किंतु यह भारत देश है, जहां सत्ता विद्रोह से नहीं, चुनावी पणाली से जाती-आती है। वैचारिक मतभेद रखना, एक दूसरे के विचारों का विरोध करना लोकतंत्र की स्वाभाविक स्थिति है। हालांकि इसकी भी सीमाएं होनी चाहिए। विरोध का मतलब यह नहीं कि सत्ता बदलने के बाद हम प्रतिशोध के भाव से काम करने लगें। यह तो नहीं माना जा सकता कि भाजपा और संघ परिवार के शीर्ष नेतृत्व ने लेनिन की मूर्तियों को गिराने का कोई कार्यक्रम दिया है। वास्तव में यह स्थानीय कार्यकर्ताओं का अतिउत्साह है जिसे रोका जाना चाहिए। इससे आगे आप अपनी शासन व्यवस्था और वैचारिक अभियान से उनका मुकाबला करिए। किसी की मूर्ति तोड़ देने से उसका विचार खत्म या कमजोर नहीं होता। लेनिन एक विचार है, मूर्ति उसके विचार का प्रतीक नहीं हो सकता कि आपने उसे तोड़ा और विचार भी साथ खत्म हो गया। भारत देश वैसे भी अनेक विचारों का स्रेत रहा है, इनके बीच घोर मत-मतांतर रहे हैं। ऐसे विविधताओं वाले देश में यदि हम हिंसक होकर इस तरह की कार्रवाई करने लगे तो इससे समस्याएं बढ़ेंगी। भाजपा को जनता ने शासन करने के लिए चुना है। उसमें यह तो शामिल है कि आप कम्युनिस्ट शासन की उन नीतियों को समाप्त करें, जो जनता को पसंद नहीं थी। नीतियों और कायरे से आप उन्हें अप्रासंगिक बना सकते हैं। यदि आपने मूर्तियां गिरा दीं एवं नीतियां कार्यक्रम आपका ठीक नहीं रहा तो फिर आप ही अलोकप्रिय हो जाएंगे और मूर्तियों के अस्तित्व खत्म होने के बावजूद जनता उन्हें फिर से अपना सकती है। अच्छा हो भाजपा एवं संघ नेतृत्व अपने कार्यकर्ताओं का सही मार्गदशर्न करे, उन्हें संयम रखने की सीख दे। शासन के लिए निर्वाचन होने के बाद किसी संगठन की जिम्मेवारियां ज्यादा बढ़ जातीं हैं। कानून और व्यवस्था संभालना एवं उसे बनाए रखना आपके जिम्मे आ जाता है।

## ''देश को सीरिया मत बनने दें''

ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर के ''देश को सीरिया मत बनने दें' के बयान पर सियासी सरगर्मी यकायक बढ़ गई है। अयोध्या में राम लला के भव्य मंदिर निर्माण को लेकर उनकी सक्रियता से संत समाज के अलावा सियासी हलकों में भी बेचैनी है। लेकिन पिछले एक साल से उनका राम मंदिर निर्माण को लेकर उत्तर प्रदेश का दौरा यह बताने को काफी है कि खेल कहां से हो रहा है? मगर पिछले दिनों के उनके ''उत्तेजक' और उनकी छवि से उलट बयान को लेकर रार ज्यादा मच गई है। ज्यादा आर्श्चय इस बात को लेकर है कि संतों की वाणी के विपरीत उनके बोल ''विभाजनकारी' ज्यादा प्रतीत हो रहे हैं। दूसरा, अयोध्या में राम जन्मभूमि या बाबरी मस्जिद को फिर से बनाने का जो मामला देश की सर्वोच्च अदालत में चल रहा है, उसमें फैसला आने से पहले ही अपने हिसाब से सलाह देने को देश की रीति-नीति के लिहाज से अच्छा नहीं माना जा सकता। खासतौर पर भारत की एकता, अखंडता और सार्वभौम ताने-बाने को न तो एक मंदिर के निर्माण से मजबूती मिल सकती है और न ही किसी अन्य धर्म की इबादतगाह को नेस्तनाबूद करने से कमतर किया जा सकता है। इसके बावजूद गंगा-जमुनी संस्कृति की बेहद प्रभावी और असरदार भावना को तार-तार करने की मंशा गाहे-बगाहे जाहिर होती रहती है। श्री श्री को कम-से-कम अदालत के फैसले का इंतजार करना चाहिए। देश को एक और अक्षुण्ण रखने में हर धर्म के लोगों की भूमिका रही है।

हर किसी ने भारत को अखंड, सुदृढ़ और धार्मिक रूप से अद्भुत बनाने में अपना खून-पसीना बहाया है। इसे न तो कमतर करके आंका जा सकता है और न ही सतही तरीके से खारिज किया जा सकता है। मसला सुलझने के बजाय और जटिल हो जाएगा। श्री श्री को संविधान और संवैधानिक मूल्यों के दायरे में रहकर ही बात करनी चाहिए। कानून-व्यवस्था से कोई भी शख्स ऊपर नहीं होता। बेहतर होगा रविशंकर अपने मूल कार्य पर ध्यान केंद्रित करें और निष्पक्ष भाव से अदालत के निर्णय का इंतजार करें। अदद एक मंदिर-मस्जिद से देश में गृहयुद्ध की आशंका जताना, कहीं से भी उचित नहीं माना जा सकता है।

## सत्संग

### सांसारिक जीवन

पात्रता के अभाव में सांसारिक जीवन में किसी को शायद ही कुछ विशेष उपलब्ध हो पाता है। अपना सगा होते हुए भी एक पिता मूर्ख गैर जिम्मेदार पुत्र को अपनी विपुल संपत्ति नहीं सौंपता। कोई भी व्यक्ति निर्धारित कसौटियों पर खरा उतरकर ही विशिष्ट स्तर की सफलता अर्जित कर सकता है। मात्र मांगते रहने से कुछ नहीं मिलता, हर उपलब्धि के लिए उसका मूल्य चुकाना पड़ता है। बाजार में विभिन्न तरह की वस्तुएं दुकानों में सजी होती हैं, पर उन्हें कोई मुफ्त में कहां प्राप्त कर पाता है? अनुनय विनय करने वाले तो भीख जैसी नगण्य उपलब्धि ही करतलगत कर पाते हैं। पात्रता के आधार पर ही शिक्षा, नौकरी, व्यवसाय आदि क्षेत्रों में भी विभिन्न स्तर की भौतिक उपलब्धियां हस्तगत करते सर्वत्र देखा जा सकता है। अध्यात्म क्षेत्र में भी यही सिद्धांत लागू होता है। भौतिक क्षेत्र की तुलना में अध्यात्म के प्रतिफल कई गुना अधिक महत्त्वपूर्ण, सामर्यवान और चमत्कारी हैं। किन्हीं-किन्हीं महापुरु षों को देख एवं सुनकर हर व्यक्ति के मुंह में पानी भर आता है और उन्हें प्राप्त करने के लिए मन ललचाता है, पर अभीष्ट स्तर का आध्यात्मिक पुरुषार्थ न कर पाने के कारण उस ललक की आपूत्तर नहीं हो पाती। पात्रता के अभाव में अधिकांश को दिव्य आध्यात्मिक विभूतियों से वंचित रह जाना पड़ता है, जबकि पात्रता विकसित हो जाने पर बिना मांगें ही वे साधक पर बरसती हैं। उन्हें किसी प्रकार का अनुनय-विनय नहीं करना पड़ता है। दैवी शक्तियां परीक्षा तो लेती हैं, पर पात्रता की कसौटी पर खरा सिद्ध होने वालों को मुक्तहस्त से अनुदान भी देती हैं। यह सच है कि अध्यात्म का, साधना का चरम लक्ष्य सिद्धियां-चमत्कारों की प्राप्ति नहीं है, पर जिस प्रकार अध्यवसाय में लगे छात्र को डिग्री की उपलब्धि के साथ-साथ बुद्धि की प्रखरता का अतिरिक्त अनुदान सहज ही मिलता रहता है, उसी तरह आत्मोत्कर्ष की प्रचण्ड साधना में लगे साधकों को उन विभूतियों का भी अतिरिक्त अनुदान मिलता रहता है, जिसे लोक-व्यवहार की भाषा में सिद्धि एवं चमत्कार के रूप में जाना जाता है। पर चमत्कारी होते हुए भी ये प्रकाश की छाया जैसी ही हैं। प्रकाश की ओर चलने पर छाया पीछे-पीछे अनुगमन करती है। दिव्यता की ओर बढ़ने का अर्थ है-अपने गुण, कर्म, स्वभाव को इतना परिष्कृत, परिमार्जित कर लेना कि आचरण में देवत्व प्रकट होने लगे।

# पूर्वोत्तर राज्यों के नतीज

**विपक्ष इतने बड़े घोटाले पर सरकार को घेरे, जांच और कार्रवाई में होने वाली चूक या कमियों को दूर कराए और दबाव बनाकर इस मामले को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने की पहल करे यह स्वाभाविक है। और सरकार भी संसद के माध्यम से जवाब दे यह और भी जरूरी है क्योंकि अभी तक प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री ने सीधे तौर पर कुछ नहीं कहा है-दूसरे लोग ही सरकार का पक्ष रखते रहे हैं। जब तक पूर्वोत्तर की तीनों सरकारें बनने की खबर मद्धिम पड़े, तब तक मूर्तियां तोड़ने और अपमानित करने की खबरों।**

सतीश पेडणोकर

अवकाश के बाद शुरू हुए बजट सत्र से संबंधित खबरें देखना-पढ़ना चाहें तो खासी मुश्किल होगी। सोमवार से शुरू सत्र पर शनिवार को आए तीन पूर्वोत्तर राज्यों के नतीजे, सरकार बनाने, नेता चुनने की कवायद, वाम मोर्चे की पराजय और भाजपा की ऐतिहासिक जीत के मायने पढ़कर आपको ध्यान भी नहीं आएगा कि संसद में साढ़े बारह हजार करोड़ रु पये से ज्यादा के बैंक घोटाले की चर्चा हो रही होगी क्योंकि घोटाला सामने आने के बाद संसद पहली बार बैठ रही है। विपक्ष इतने बड़े घोटाले पर सरकार को घेरे, जांच और कार्रवाई में होने वाली चूक या कमियों को दूर कराए और दबाव बनाकर इस मामले को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने की पहल करे यह स्वाभाविक है। और सरकार भी संसद के माध्यम से जवाब दे यह और भी जरूरी है क्योंकि अभी तक प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री ने सीधे तौर पर कुछ नहीं कहा है-दूसरे लोग ही सरकार का पक्ष रखते रहे हैं। जब तक पूर्वोत्तर की तीनों सरकारें बनने की खबर मद्धिम पड़े, तब तक मूर्तियां तोड़ने और अपमानित करने की खबरों ने उससे भी ज्यादा प्रमुखता से मीडिया की जगह लेने में सफल हो गई।

इस बार तो सोशल मीडिया भी इसी चर्चा में व्यस्त हो गया, जबकि पूर्वोत्तर और श्रीदेवी की मौत के दौर में वहां कुछ आर चीजों को भी जगह मिल जा रही थी। इसलिए त्रिपुरा में लेनिन की मूर्तियां बुलडोजर से तोड़ने का मामला हो या तमिलनाडु में भाजपा के एक नेता के बयान के बाद पेरियार की मूर्ति पर हुल्लड़बाजी करने का, उसमें यह भी एक पक्ष हो सकता है। पर मूर्तियां तोड़ने और ज्यादा वैचारिक आग्रह के चलते दूसरी विचारधारा और उससे जुड़े प्रतीकों का अपमान ज्यादा बड़ा मुद्दा है। इसमें वैचारिक आग्रह-दुराग्रह से लेकर मूर्तियों का दर्शन, इतिहास और उसके नायकों-खलनायकों के प्रति नजरिया और अपने ही पुरखों के पुरु षार्थ पर शक करने जैसे सवाल भी शामिल हैं।आखिर बामियान के बुद्ध की दिव्य मूर्तियों को जो तालिबानी तोड़ रहे थे, वे कई सौ साल से उसी इलाके में रहते आए और उन मूर्तियों से परेशानी न महसूस करने वाले अपने पुरखों का भी तो अपमान कर रहे थे। वे यह तो जाहिर ही करना चाहते होंगे कि हमारे पुरखे हमसे कम या कमजोर मुसलमान थे और मूर्तियां ध्वस्त करके हम उनसे आगे आगे जा रहे हैं। और जब तक हम इस बात को नहीं समझेंगे, तब तक यह बात समझ में नहीं आएगी कि शासक भाजपा के आधिकारिक प्रवक्ता भी क्यों मूर्तियां तोड़ने या अपमानित करने से पार्टी को अलग बताते हुए भी दन से लेनिन की मूर्ति लगाने पर सवाल करना नहीं भूलते जो एक तरह से इन घटनाओं का समर्थन ही लगने लगता है। दरअसल, यह भाजपा की रणनीति हो सकती है या अपने कोर-सपोर्टरों को अप्रत्यक्ष समर्थन भी। पर मूर्तियां लगाना मानव इतिहास और स्वभाव में कोई नई चीज नहीं है। मूर्ति पूजा का घोर विरोध करने वाले दर्शन भी किसी-न-किसी रूप में इसे चलाते है-आदमी की मूरत न सही चांद-तारा और फू ल-पत्ती के प्रतीकात्मक संकेतों और कलाकृतियों से अपने दर्शन-इतिहास और संस्कृति को याद करते हैं। उस रूप में मूर्तियां किसी विचार को, सोच और दर्शन को किसी के महान कामों को याद दिलाते रहने और ध्यान खींचने और बनाए रखने का आसान साधन हैं। ऊंची बौद्धिक पहुंच वाले को भले मूर्तियों की जरूरत न लगे पर आम लोगों को यह सरल और आसान लगता है। और वे जिसे अपना आदर्श मानते हैं, जिनके काम, सोच और व्यवहार से प्रेरणा पाते हैं, उसकी मूर्ति लगाते हैं। और कोई एक दर्शन, एक व्यक्ति, एक सोच सबके लिए अनुकूल न लगे, हर चीज का समाधान करता न लगे तो कई मूर्तियों की जरूरत भी लगती है। दुनिया में एक देव, एक ग्रंथ, एक जीवन शैली लाने के जनून से काम करने वाले जमात जरूर एक ही तरह की मूर्ति और जीवन शैली वाली चीजें लाने का आग्रह करते हैं, पर दुनिया का इतिहास बताता है कि यह नजरिया समाज के लिए लाभ से ज्यादा नुकसान देने वाला साबित हुआ है। पांच-पांच सौ की लड़ाई और करोड़ों लोगों की मौत से भी ये सवाल नहीं सुलझे हैं। दूसरी ओर भारत का समाज भी ऐसे सवालों पर लड़ा-भिड़ा है, पर हमारे यहां एकेश्वरवादी नजरिया नहीं चल पाया है। इसका सबसे अच्छा प्रमाण हमारे मंदिर हैं, जो शायद ही कहीं किसी अकेले देवता का होगा। एक देव प्रमुख होते हैं तो अक्सर बाकी देवता भी वहां बिराजते हैं। इसलिए हमारे यहां जब एक नजरिये के लोगों द्वारा किसी और के आदरणीय या पूजनीय पुरुष या देवता की मूर्ति का अपमान होने लगे तो यह ज्यादा चिंता की बात है। और इससे भी ज्यादा शर्म की बात है कि यह काम वे लोग कर रहे हैं, जो खुद को भारतीयता का सबसे बड़ा दावेदार मानते हैं। आपको पेरियार और अम्बेडकर से या लेनिन और मार्क्स से दिक्कत हो सकती है, लेकिन उस दिक्कत से बड़ा सवाल यह है कि अम्बेडकर और पेरियार को आपके समाज और उसके चलन के खिलाफ क्यों भिड़ना पड़ा। मार्क्स और लेनिन को क्यों आदर देने की जरूरत है? क्या उनका संघर्ष हमारे लिए किसी काम का नहीं है? आपका मूल्यांकन किसी एक लिए कम-ज्यादा का हो सकता है मगर यह आपको मूर्तियां गिराने तक जाने की, किसी का दफ्तर तोड़ने और कब्जा करने की इजाजत नहीं देता। मार्क्स के दर्शन के अनुरूप काम करने वाले लेनिन को अगर किसी के खेत और कारखाने कब्जा करके गरीबों के हित में लगाने के मामले में भी चूक हुई या स्टालिन उसे बिगाड़कर कहीं और ले गया तो आप तो सिर्फ हुड़दंग करने लगे हैं। इससे तो आप विशुद्ध गुंडागर्दी ही करेंगे। मूर्तियां कायदे से तो किसी की नहीं होनी चाहिए। वे चिड़ियों के बीट करने या अनुयायियों द्वारा सब काम छोड़कर रखवाली करने के लिए ही होती हैं। समय खुद ही कई मूर्तियों और उनके पीछे के विचारों पर बीट कराने लगता है। जिन लोगों की बात में दम हो-मार्क्स, लेनिन, अम्बेडकर या पेरियार उनकी मूर्तियां लगवाने वाले भी आ ही जाते हैं।

हजारों साल इतिहास की परतों में दबे रहने वाले लोग और विचार भी मूर्तियों वाले दौर में आते हैं। और जब मूर्तियां लगवाने वाली जमात और मूर्तियां तोड़ने वाली जमात के ज्यादातर लोग उस महापुरु ष के नाम, काम और विचारों से ही अंजान हो गए हों तो उन मूरतों के रहने या न रहने का कोई मतलब नहीं रह जाता।

## चलते चलते

### सूर्योदय भी लालिमा

**प्रकृति ने रंग ही नहीं बदला है अपने नियम भी बदल लिए हैं। प्रकृति के स्वभाव बदलने की शिकायत तो अक्सर रहती है। हालांकि प्रकृति से पहले इंसान ही हैं, जो सर्दी में भी गर्मी का अहसास कराते रहते हैं और गर्मी में सर्दी का। धन में ऐसा ही बल होता है। हालांकि इस बल के साथ कई तरह के बल मिल जाते हैं। राजनीति में तो बाहुबल भी मिल जाता है।**

मीडियावालों की मानें तो आजकल पूर्वोत्तर में सूर्योदय भी लालिमा नजर नहीं आती। लगता है प्रकृ ति ने रंग ही नहीं बदला है अपने नियम भी बदल लिए हैं। प्रकृति के स्वभाव बदलने की शिकायत तो अक्सर रहती है। हालांकि प्रकृति से पहले इंसान ही हैं, जो सर्दी में भी गर्मी का अहसास कराते रहते हैं और गर्मी में सर्दी का। धन में ऐसा ही बल होता है। हालांकि इस बल के साथ कई तरह के बल मिल जाते हैं। राजनीति में तो बाहुबल भी मिल जाता है। पर अब जो काम प्रकृति का है, उसे इंसान करने लगे तो प्रकृति का नाराज होना तो बनता है न भई। कहते हैं यही नाराजगी जलवायु परिवर्तन रूप में सामने आ रही है। खैर, यह जलवायु परिवर्तन का विषय ट्रंप टाइप लोगों का है। पर इधर तो मीडिया भी कुछ-कुछ ट्रंप टाइप के काम कर रहा है जो इन दिनों पूर्वोत्तर से सूर्योदय की लालिमा तक को ही गायब कर दे रहा है। कह रहा है कि अब लालिमा की जगह केसरिया ने ले ली है। अलबत्ता सूर्यास्त के समय पीतांबर छटा जरूर होती है, पर इधर तो सूर्योदय ही पीतांबर होने लगा है। एक जमाना था जब भगत सिंह जैसे लोग शहादत के वक्त कहते थे कि मेरा रंग दे बसंती चोला। अब देशभक्त कह रहे हैं कि रंग दे मेरा देश केसरिया। नेताओं की डिमांड होती है कि जो सरकार केंद्र में है, उसी पार्टी की सरकार राज्य में भी होनी चाहिए। इससे विकास होता है। फिर एक देश एक टैक्स तो हो ही गया। पर व्यापारियों से पूछिए, कैसा लग रहा है। अब एक देश एक चुनाव भी होने जा रहा है। लोगों को लग रहा है कि यह संघवाद के खिलाफ है। जबकि संघ यही तो चाहता है। खैर, संघ और संघवाद में फर्क है। जो भी हो, पर तिरंगे झंडे में तीनों रंग रहें तो ही अच्छा है। एकता में अनेकता बनी रहे तो ही एकता की सुंदरता है। पर कुछ लोगों को एकरूपता में भी सुंदरता नजर आती है। सुंदरता का अपना-अपना पैमाना है। पर पैमाना अगर छलके नहीं तो फिर पैमाना क्या हुआ। तो आजकल बस इसी एकरूपता का पैमाना खूब छलक रहा है। बस मार प्रकृति पर पड़ रही है कि उससे सूर्योदय की लालिमा तक छीनी जा रही है। पता नहीं दोष मीडिया का है या किसी और का।

## फोटोग्राफी...

### 86 साल की ईलीन लोगों को बर्फ पर फिसलते देख, खुद को नहीं रोक पाईं

*डबलिन तस्वीर यूरोपीय देश आयरलैंड की है। यहां बर्फबारी हो रही है। ये बर्फबारी कुछ लोगों के लिए सिरदर्द है तो कुछ लोगों के लिए कुछ अलग करने का मौका। यहां की स्वीनी पहाड़ी में 86 साल की ईलीन मैगुरे ने पोते के साथ स्लेजिंग की। उनकी स्लेजिंग करती तस्वीर ने दुनियाभर के लोगों का दिल जीत लिया है। लोग उनके जज्बे की सराहना कर रहे हैं। लोग उन्हें आयरलैंड की सुपर दादी कह रहे हैं। इस पर मैगुरे कहती हैं कि मैं पहाड़ी पर बर्फबारी देखने गई थी। यहां लोगों को बर्फपर फिसलते हुए देखा। उन्हें देखकर मुझे भी ऐसा करने की इच्छा जग गई। शुरू में डर लगा, लेकिन बाद में यह सब आसानी से हो गया। यह सब मेरे पोते जैक की वजह से संभव हो सका। मुझे पता था कि वो मेरे पीछे है और मुझे कुछ नहीं होने देगा। इस उम्र में स्वीमिंग और टेनिस भी खेलती हैं ईलीन ईलीन कहती हैं कि स्पोर्ट्स मेरे लिए नया नहीं है। मैं टेनिस खेलती हूं। स्वीमिंग करती हूं। ईलीन कहती हैं मैं लोगों द्वारा की जा रही हौसला अफजाई से काफी खुश हूं। मैंने ऐसा कुछ भी नहीं सोचा था।*

## कविता की गहन समझ

कलेक्टर ज्योत्सना मिश्रा की पॉपुलर कविता है-''औरतें अजीब होती हैं। पॉपुलर से ज्यादा, यह वायरल कविता है, जो सोशल साइट्स में बहुत घूमी। यह कविता भर नहीं। विचार है। स्त्री का स्त्री के प्रति। इसे फैलाने वालों ने कवित्री का नाम गायब कर दिया और गुलजार का नाम थोप दिया। कविता की गहन समझ ना रखने वालों को गालिब और गुलजार का ही नाम रटा है। वे जहां-तहां चिपका कर इसी तरह का बचकानापन करते फिरते हैं। खैर, बात यहां औरतों के अजीब होने पर चल रही है। ज्योत्सना लिखती हैं-रात भर सोती नहीं, थोड़ा-थोड़ा जगती हैं..टिफिन में रोज रखती हैं, नयी कविताएं, गमलों में रोज बो देती हैं आशाएं..। ये बेहद गहरी बातें हैं। ज्योत्सना कवि नहीं हैं। ऐसा वे स्वीकारती हैं। वे डॉक्टर हैं, स्त्री रोग विशेषज्ञ। स्त्री तो वे स्वयं हैं ही। स्त्री की पीड़ा को इस समाज में समझना भी विशेषज्ञता से कम नहीं। यह लंबी कविता है, जिसमें औरतों की तमाम बातें, उनके मनोविज्ञान को तफ्तीश में रचा गया है। औरतों को अजीब कहने वालों की कमी नहीं है। यहां तक की स्त्री स्वयं भी स्वीकारती है, कि वह अजीब है। उसके लिए अपने सपनों से बेशकीमती होते हैं, बच्चों के गीले पोतड़ों को समेटना। संबंधों को संभालना। परिवार की खटर-पटर के बीच लाली-आलता लगाकर चहकना। दिन की थकन को रात में चादर की सिलवटों को मिटाने के साथ ही झाड़ देना। तमाम यादों को संजों के रखना। वे हमेशा ऐसी ही रहती हैं। उन साड़ियों की तहें, जिन्हें अब पहनते झिझक लगती है। उनकी अलमारियों में मौजूद रहती हैं। कान की बालियां, झुमके, हार, जिन्हें मां ने जतन से बनवाया था। जरी वाले दुपट्टे, जिन्हें मीना कुमारी व रेखा की किसी फिल्म से कॉपी किया था। जरी खरीदने के लिए किन-किन गलियों में भटकी थी। वे गरमी की सूखी दुपहरी। चलते-चलते चप्पल की बद्धी उखड़ जाना। पांव को खींचते हुए बस स्टॉप तक जाना। ऐसे लगता था मानो, सारा शहर हमें ही घूर रहा है। बक्सों में सलीके से रखे, छोटू के झबले, नन्हा सा तकिया। मां का प्यार और बाबूजी की उपहार में दी गई वह एचएमटी घड़ी। उनकी यादों का पुलिन्दा रह जाती हैं। मायके से मिली हर चीज, उनके लिए उपहार ना होकर यादों का सिलसिला हो जाती है। मां की साड़ियों की हर तह में यादों की परतें जीतीं हैं। जिनको पलटते ही, आंखें नम हो जाती हैं। स्त्री ही है, जिसका एक फन्दा भी उधड़ जाए तो दिल धक्क से रह जाता है। उक्त कविता की पंक्ति है, कभी कोई ख्वाब पूरा नहीं देखतीं, बीच में ही छोड़ कर देखने लगती हैं चूल्हे पे चढ़ा दूध..। स्त्री का संसार कभी मुकम्मल नहीं होता। फिर भी, वह अपने सपनों के टूटने पर स्यापे नहीं करती। किरचों को जमा कर नया कोलॉज बना लेती है। पलकें झुका कर आंसुओं को छिपा लेती है। जब वह चुप होती है, तब भी चुप नहीं होती। जब ठहाका मार कर हंस रही होती है। दादी या नानी की कटी-फटी फोटुएं। मां की दीं पाजेब। बच्चों की स्क्रैप बुक। उनको दूसरी-चौथी या छठवीं में मिले मैडल। धूल पड़ी ट्राफियां। फुटपाथ पर जिद से फैलने पर बेमन लिये गए फुटबॉल या बास्केटबॉल। जिनकी हवा भी साथ छोड़ रही है। स्कूल ड्रेस या बदरंग हो रहा वह पहला कोट। हर चीज की पूरी कहानी है। सबसे पहले वे सूखे हुए कपड़ों को अलगनी से उतारने के लिए दौड़ती हैं। अचार का मर्तबान बारिश से बचाने के लिए छत तक दौड़ी चली जाती हैं। व्रतों और त्योहारों पर तरह-तरह के पकवान बना कर खुश हो लेती हैं। उनका कोई घर नहीं होता, पर उनके बिना भी घर नहीं होता। वास्तव में औरतें, इतनी अजीब ना होतीं तो ये परिवार, ये समाज यूं ना चल रहे होते। ये औरतें ही हैं, जो वाकई अजीब होती हैं। पर अपने अजीब होने पर भी इतरा लेती हैं। औरतें अजीब ही, अच्छी हैं।

# बांग्लादेश ने भारत को जीत के लिये 140 रनों का लक्ष्य दिया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

भारत और बांग्लादेश के बीच ट्राईसीरीज़ का दूसरा मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी का फैसला किया है। खबर लिखे जाने तक बांग्लादेश की टीम ने 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 139 रन बनाए हैं। अब सीरीज का दूसरा वनडे जीतने के लिये भारत को 20 ओवरों में 140 रनों की जरूरत है।

भारत की ओर से जयदेव उनाद्कट ने सौम्य सरकार को आउट कर भारतीय टीम को पहली सफलता दिलाई। उन्होंने सौम्य सरकार को युजवेंद्र चहल के हाथों कैच आउट करवाया। सौम्य सरकार ने 12 गेंदों पर 14 रन बनाए। इसके बाद अभी टीम का स्कोर 35 रन ही पहुंचा था कि तभी तमीम इकबाल को शर्दुल ठाकुर ने उनाद्कट के हाथों कैच आउट करा दिया। तमीम ने 15 रन बनाए। इसके बाद विकेटकीपर बल्लेबाज मुस्तफिकुर्रहमान को विजय शंकर ने दिनेश कार्तिक के हाथों कैच आउट करवाया, यह उनके टी 20 करियर का पहला विकेट था। रहमान ने 18 रन बनाए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए बांग्लादेश के कप्तान महमूदुल्लाह को शर्दुल ठाकुर ने विजय शंकर के हाथों कैच आउट करवाया। वो 8 गेंदों पर मात्र 1 रन ही बना सके। इन दोनों बल्लेबाजों ने पांचवें विकेट के लिये 35 रन जोड़े थे कि तभी जम चुके बल्लेबाज लिटोन दास को चहल ने रैना के हाथों कैच आउट करवा दिया, दास ने 30 गेंदों पर 34 रनों की पारी खेली। इसके उनाद्कट ने मेंहदी हसन को 3 रन के निजी स्कोर पर मनीष पांडे के हाथों कैच आउट करवाया। उनाद्कट ने अपने अगले ओवर में ही (रहमान 30 रन) को कार्तिक के हाथों कैच आउट करवाया। इसी बीच 20वें ओवर की दूसरी गेंद पर तेजी से रन चुराने के चक्कर में रूबेल रनआउट हो गये।

बांग्लादेश के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे मैच में भी भारतीय टीम उन्हीं खिलाड़ियों के साथ मैदान पर उतरी है, जो श्रीलंका के खिलाफ खेले थे। ऐसे कयास लगाए जा रहे थे कि इस मुकाबले में लोकेश राहुल को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जा सकता है।

इस त्रिकोणीय सीरीज़ का पहला मैच भारत और श्रीलंका के बीच खेला गया था। इस मुकाबले में श्रीलंका ने भारत को 5 विकेट से शिकस्त दी थी।

## दक्षिण कोरिया दौरे पर भारतीय महिला हाकी टीम की पहली हार

**सोल।** भारतीय महिला हाकी टीम को यहां तीसरे मैच में कड़े मुकाबले में 1-2 की हार के साथ दक्षिण कोरिया के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला में पहली शिकस्त का सामना करना पड़ा। जिनचुन राष्ट्रीय एथलेटिक्स केंद्र में मेजबान टीम की ओर से स्युल की चियोन (12 मिनट) और युरिम ली (14वें मिनट) ने पहले क्वार्टर में दो गोल दागकर मेजबान टीम की जीत सुनिश्चित की। भारत ने 16वें मिनट में लालरेमसियामी के गोल की मदद से वापसी की कोशिश की लेकिन यह नाकाफी था।

तीसरे मैच में हार के बावजूद भारत पहले दो मैचों में जीत के साथ पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रहा है। दोनों टीमों ने तेज शुरूआत की और पहले 10 मिनट में एक-दूसरे पर जमकर हमले बोले। स्युल की चियोन ने 12वें मिनट में पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर मेजबान टीम को बढ़त दिलाई जबकि दो मिनट बाद युरिम ली ने पेनल्टी कार्नर पर एक और गोल दागकर अपनी टीम को 2-0 से आगे कर दिया। भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरूआत में ही लालरेमसियामी के गोल की बदौलत स्कोर 1-2 कर दिया। भारतीय टीम ने इसके बाद कई अच्छे मूव बनाए और मैच में दबदबा बनाने की कोशिश की लेकिन दक्षिण कोरिया के डिफेंडरों ने उसे गोल से महरूम रखा। तीसरे क्वार्टर में मेजबान टीम को तीन पेनल्टी कार्नर मिले लेकिन भारतीय गोलकीपर रजनी एटिमार्पू ने विरोधी टीम को सफलता हासिल नहीं करने दी। भारत ने भी अंतिम क्वार्टर के अंतिम चार मिनट में दो पेनल्टी कार्नर हासिल किए लेकिन कोरिया की गोलकीपर हीबिन जुंग ने मेहमान टीम को गोल से वंचित करते हुए अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की।

## इंडियन वेल्स के पहले दौर में हारी टेनिस स्टार मारिया शारापोवा

**इंडियन वेल्स (अमेरिका)।** मारिया शारापोवा बीएनपी परिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट में तीन साल में पहली बार खेलते हुए पहले दौर में ही जापान की नाओमी ओसाका के खिलाफ 4-6, 4-6 से हार गई। इस टूर्नामेंट को दुनिया की 41वें नंबर की खिलाड़ी शारापोवा इससे पहले दो बार जीत चुकी हैं। शारापोवा पहले सेट में 1-4 से पिछड़ने के बाद 4-4 से बराबरी करने में सफल रही लेकिन दुनिया की 44वें नंबर की खिलाड़ी ओसाका ने अपनी सर्विस बचाकर स्कोर 5-4 किया और फिर शारापोवा के डबल फाल्ट पर सर्विस गंवाने से पहले सेट जीत गई। दूसरे सेट में भी शारापोवा ने 2-4 से पिछड़ने के बाद 4-4 से बराबरी हासिल की लेकिन ओसाका ने अगले दोनों गेम जीतकर डेढ़ घंटे में मैच अपने नाम किया। समंथा स्टोसुर ने पहला सेट गंवाने के बाद वापसी करते हुए अमेरिका की लारेन डेविस को 3-6, 6-3, 6-3 से हराया।।बेलिंडा बेनसिच ने मैच प्वाइंट बचाने के बाद टीमिया बाबोस को 1-6, 6-1, 7-6 से हराया।

## अनीष और नीरज रेपिड फायर पिस्टल के फाइनल की दौड़ में

**नयी दिल्ली।** भारत के युवा अनीष भानवाला और नीरज कुमार मैक्सिको के गुआदालाजारा में चल रही आईएसएसएफ विश्व कप की पुरुष 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में बने हुए हैं। पहली बार सीनियर विश्व कप में हिस्सा ले रहे 15 साल के अनीष स्पर्धा के पहले क्वालीफाइंग राउंड के बाद तीसरे स्थान पर चल रहे हैं। इस स्पर्धा में 2016 ओलंपिक के तीन पदक विजेता भी हिस्सा ले रहे हैं। राष्ट्रीय ट्रायल के दौरान हाल में इस स्पर्धा में विश्व रिकार्ड की बराबरी करने वाले अनीष ने प्रीसिजन ट्रायल में 300 में से 294 अंक जुटाए। रियो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता चीन के युएहोंग ली भी 294 अंक के साथ दूसरे जबकि पिछले साल नयी दिल्ली विश्व कप फाइनल्स के रजत पदक विजेता फ्रांस के क्लेमेंट बेसाग्वे 295 अंक के साथ शीर्ष पर हैं। अनीष के सीनियर साथी नीरज भी 291 अंक के साथ छठे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में हैं। रेपिड फायर चरण और फाइनल आज होगा।

## डेविड वार्नर ने कहा, पत्नी पर छींटाकशी मंजूर नहीं

**सिडनी।** ऑस्ट्रेलिया के उपकप्तान डेविड वार्नर ने दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकाक पर पत्नी के बारे में अभद्र टिप्पणी का आरोप लगाते हुए कहा कि वह हमेशा अपने परिवार के बचाव में खड़े रहेंगे। वार्नर और डिकाक डरबन में पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन (रविवार) चाय के विश्राम के दौरान ड्रेसिंग रूम के करीब आपस में भिड़ गये थे जो कि सीसीटीवी कैमरे में आ गया था। आईसीसी आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिये वार्नर पर मैच फीस का 75 प्रतिशत जुर्माना लगाने के साथ ही उनके खाते में तीन डिमेरिट अंक जोड़ दिए गए जबकि डिकाक पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगा। वार्नर ने माना कि रविवार को ड्रेसिंग रूम जाते समय वह डिकाक की टिप्पणी पर अपनी भावनाओं को काबू में नहीं रख सके। उन्होंने कहा कि मुझे विपक्षी खिलाड़ियों और प्रशंसकों की टिप्पणी से कोई परेशानी नहीं है लेकिन डिकाक की छींटाकशी ने हद पार कर दी। वार्नर ने कहा, '' मैंने फुटेज देखा और उसमें मैं जैसा दिख रहा हूं मुझे उस पर खेद है लेकिन मैं ऐसा ही हूं। मैंने भावनात्मक प्रतिक्रिया दी और इस पर माफी भी मांगी।'' ऑस्ट्रेलियाई उपकप्तान ने कहा, ''लेकिन मैं हमेशा अपने परिवार के लिए खड़ा रहूंगा।''

## सीओए के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जा सकते हैं चौधरी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव अमिताभ चौधरी ने खिलाडियों के नए अनुबंध पर प्रशासकों की समिति (सीओए) पर कानून तोडने का आरोप लगाया है और अब वह सीओए के खिलाफ उच्चतम न्यायालय जाने की योजना बना रहे हैं।

चौधरी की नाराजगी से खिलाडियों के नए अनुबंध खटाई में पड़ सकते हैं। चौधरी का कहना है कि उनके समेत बोर्ड के शीर्ष तीन पदाधिकारियों से खिलाडियों से बातचीत प्रक्रिया के दौरान विचार विमर्श नहीं किया गया था।

बीसीसीआई ने कल 26 खिलाडियों को नए अनुबंध देने की घोषणा की थी जिसमें ए प्लस का नया ग्रेड शुरू किया गया है। ए प्लस में शामिल पांच क्रिकेटरों को सात- सात करोड़ रुपये मिलेंगे। इस सूची को पूर्व भारतीय विकेटकीपर एमएसके प्रसाद की अध्यक्षता वाले तीन सदस्यीय चयन पैनल ने तैयार किया है।

चौधरी का दावा है कि चयन पैनल का संयोजक होने के बावजूद उनसे कोई सलाह मशविरा नहीं किया गया।

चौधरी ने क्रिकइंफो से कहा, मैं फैसला लेने वाली किसी भी प्रक्रिया का हिस्सा नहीं हूं। जहां तक मैं जानता हूं बीसीसीआई के पदाधिकारियों में कोई भी इस प्रक्रिया का हिस्सा नहीं था। उन्होंने कहा, मैं राष्ट्रीय चयन समिति का संयोजक हूं और मैं पुष्टि करता हूं कि इस मुद्दे पर चयन पैनल की कोई बैठक नहीं हुई। सीओए ने कानून तोड़ा है और मैं इस बात को उच्चतम न्यायालय के संज्ञान में लाऊंगा।

## अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस: बीसीसीआई ने महिला क्रिकेटरों को दी मामूली सी सौगात!

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने खिलाड़ियों के अनुबंध में जहां पुरुष क्रिकेटरों पर धन की बौछार की है तो वहीं विश्व कप उपविजेता महिला क्रिकेटरों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मामूली सी सौगात दी है। बीसीसीआई ने पुरुष अनुबंध में एक नये वर्ग ग्रेड'ए प्लस'की शुरुआत की है जिसमें पांच क्रिकेटरों को सात-सात करोड़ रूपये दिये जाएंगे। नये वर्ग में कप्तान विराट कोहली, रोहित शर्मा, शिखर धवन, भुवनेश्वर कुमार और जसप्रीत बुमराह को रखा गया है। इसके अलावा ए ग्रेड में पांच करोड़ रूपये, बी ग्रेड में तीन करोड़ रूपये और सी ग्रेड में एक करोड़ रूपये दिये जाएंगे। बीसीसीआई ने हालांकि सीनियर महिला क्रिकेट के लिये भी ग्रेड सी का नया वर्ग शुरू किया है लेकिन महिला क्रिकेटरों को दी जाने वाली अनबंध राशि पुरुष क्रिकेटरों के मुकाबले बहुत ही कम है। महिला क्रिकेटरों को ग्रेड ए में 50 लाख रूपये, ग्रेड बी में 30 लाख रूपये और ग्रेड सी में 10 लाख रूपये दिये जाएंगे। क्रिकेट बोर्ड जहां चारों अनुबंध में शामिल 26 पुरुष खिलाड़ियों को कुल 98 करोड़ रूपये फीस के रूप में देगा वहीं महिला अनुबंध में शामिल 19 खिलाडियों को मात्र 4.70 करोड़ रुपये दिए जाएंगे जो पुरुष ए ग्रेड के एक खिलाडी के पांच करोड़ रुपये से भी कम है।

## भारत की अजलन शाह कप में मलेशिया पर 5-1 से बड़ी जीत

**इपोह (एजेंसी)।**

पहले तीन मैचों में निराशाजनक प्रदर्शन करने वाली भारतीय पुरुष हाकी टीम ने यहां प्रवाहमय खेल का प्रदर्शन करते हुए2 7 वें सुल्तान अजलन शाह कप में मेजबान मलेशिया को 5-1 से करारी शिकस्त देकर फाइनल में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीद बरकरार रखी। भारत की तरफ से शिलानंद लाकड़ा(10 वें मिनट), गुरजंत सिंह(42, 57), सुमित कुमार(48) और रमनदीप सिंह(51) ने गोल किये। मलेशिया की तरफ से एक मात्र गोल फैजल सारी (33 वें मिनट ने किया)।

इस जीत से भारत ने फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीद बरकरार रखी लेकिन इसके लिये उसने शुक्रवार को अंतिम दौर के मैचों में अनुकूल परिणामों के लिये दुआ करनी होगी। विश्व चैंपियन आस्ट्रेलिया ने आज आयरलैंड को4-1 से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। यह उसकी चार मैचों में चौथी जीत है। आयरलैंड को छोड़कर बाकी अन्य चार टीमों के फाइनल में पहुंचने की संभावना है।

आस्ट्रेलिया12 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर है। उसके बाद ओलंपिक चैंपियन अर्जेंटीना( सात अंक), मलेशिया( छह), इंग्लैंड( पांच) और भारत( चार) का नंबर आता है। भारत को फाइनल में पहुंचने के लिये शुक्रवार को आयरलैंड को बड़े अंतर से हराना होगा और फिर आस्ट्रेलिया की अर्जेंटीना पर जीत तथा मलेशिया और इंग्लैंड के बीच अंतिम राउंड रोबिन मैच के बराबरी पर छूटने की दुआ करनी होगी।

मैच की बात करें तो पिछले मैच में अर्जेंटीना पर2-1 से जीत दर्ज करने वाले मलेशिया ने जल्द ही आक्रामक रवैया अपना दिया। लेकिन पहला गोल भारत ने दागा। शिलानंद ने खेल के दसवें मिनट में गुरजंत के पास पर यह गोल किया। इसके तुरंत मलेशिया ने जवाबी हमला किया लेकिन भारतीय गोलकीपर सूरज करकेरा ने कुछ अच्छे बचाव किये। भारत ने दूसरे क्वार्टर में पहला पेनल्टी कार्नर हासिल किया लेकिन अमित रोहिदास के फ्लिक को मलेशियाई गोलकीपर ने बचा दिया। भारत ने तीसरे क्वार्टर के शुरू में पेनल्टी कार्नर गंवाया जिस पर फैजल सारी ने गोल किया। गुरजंत ने42 वें मिनट में मिले पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर स्कोर2-1 कर दिया। अंतिम क्वार्टर में भारत ने बेहतरीन खेल दिखाया। मलेशिया ने हालांकि इस क्वार्टर के शुरू में पेनल्टी कार्नर हासिल किया लेकिन करकेरा ने बेहतरीन बचाव करके भारत पर आया संकट टाला। रमनदीप ने शानदार खेल दिखाया। उनके सहयोग से सुमित ने भारत की तरफ से तीसरा गोल दागा। इसके बाद रमनदीप और गुरजंत ने पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला।

## सीमा पूनिया का डोप परीक्षण होगा

**पटियाला।** चक्का फेंक खिलाड़ी सीमा पूनिया का राष्ट्रमंडल खेलों से पहले प्रतियोगिता के इतर डोप परीक्षण किया जाएगा क्योंकि यहां 22वीं फेडरेशन कप राष्ट्रीय सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियपशिप के दौरान उनका परीक्षण नहीं हो सका था। सीमा ने यहां पांच मार्च को प्रतियोगिता के पहले दिन चक्का फेंक में 61.05 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया था लेकिन नाडा अधिकारियों के नहीं पहुंचने के कारण उनका डोप टेस्ट नहीं हो सका था। नाडा अधिकारी छह मार्च को पहुंचे लेकिन तब तक सीमा यहां से जा चुकी थी।

## कोहली के चयन के कारण चयनकर्ता के रूप में मेरा करियर खत्म हुआ: वेंगसरकर

**मुंबई (एजेंसी)।**

चयनकर्ता के रूप में विराट कोहली जैसे खिलाड़ी के चयन को मास्टरस्ट्रोक कहा जा सकता है लेकिन पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप वेंगसरकर के लिये यह राष्ट्रीय चयनकर्ता के तौर पर करियर खत्म करने वाला था। वेंगसरकर ने दावा किया कि2008 में घरेलू क्रिकेट के बड़े खिलाड़ी तमिलनाडु के एस बद्रीनाथ की जगह कोहली का चयन करने कारण उन्हें राष्ट्रीय चयन समिति के अध्यक्ष पद से हटा दिया गया। उन्होंने इसके लिए बीसीसीआई के तत्कालीन सचिव एन श्रीनिवासन को जिम्मेदार बताया।

मुंबई मराठी पत्रकार संघ के कार्यक्रम में वेंगसरकर ने उस घटना को याद करते हुए कहा, '' ऑस्ट्रेलिया में युवाओं के लिए एमर्जिंग प्लेयर्स टूर्नामेंट हो रहा था जिसमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड की टीमें थी। मैं और मेरे सहयोगियों ने फैसला किया कि हम वहां अंडर-23 खिलाड़ियों को भेजेंगे और उस समय भारत ने अंडर19 विश्व कप का खिताब जीता था, विराट कोहली अंडर19 टीम के कप्तान थे और मैंने टीम में उनका चयन किया।''

वेंगसरकर ने कहा, ''वह( कोहली) तकनीकी रूप से ज्यादा दक्ष थे और मुझे लगा उन्हें खेलना चाहिए। हम श्रीलंका दौरे पर जा रहे थे औ मुझे लगा की यह सही समय है जब उसे राष्ट्रीय टीम में होना चाहिए। मेरे चार सहयोगियों( अन्य चयनकर्ताओं) ने कहा कि वे मेरे फैसले के साथ है।'' वेंगसरकर ने दावा किया कि धोनी और कोच गैरी कर्स्टन इस चयन को लेकर आशंकित थे। इस मुद्दे पर श्रीनिवासन भी उनके खिलाफ थे, जिससे उनकी नौकरी चली गयी। उन्होंने कहा, '' हालांकि कर्स्टन और धोनी ने कहा कि हमने उसे देखा नहीं है और हम पिछली टीम के साथ खेलना जारी रखेंगे। मैंने उन्हें कहा कि आपने नहीं देखा है लेकिन मैंने देखा है और हमें इस खिलाड़ी को टीम में लेना होगा।''

कोहली ने भी कई मौके पर खुले तौर पर कहा है कि वेंगसरकर ने उन्हें ऑस्ट्रेलिया में ए टीम टूर्नामेंट के दौरान पारी की शुरूआत करने की सलाह दी जिस पर अमल करते हुए उन्होंने शतक लगाया और श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टीम भी जगह बनाने में कामयाब रहे। टीम में मध्यक्रम बल्लेबाजी की एक जगह के लिए बद्रीनाथ और कोहली के बीच टक्कर थी। वीरेन्द्र सहवाग, गौतम गंभीर, सचिन तेंदुलकर, युवराज सिंह और धोनी की जगह टीम में पक्की थी। वेंगसरकर ने कहा, '' श्रीनिवासन को यह पता चल गया कि हम बद्रीनाथ की जगह कोहली को तरजीह दे रहे है और बद्रीनाथ उनकी आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से खेलते थे। कर्नल के नाम से जाने जाने वाले वेंगसरकर ने कहा, ''जब बद्रीनाथ की जगह कोहली को तरजीह दी गयी तो श्रीनिवासन खुश नहीं थे। वह नाराज हो गये क्योंकि उनकी टीम के खिलाड़ी को नहीं चुना गया और उन्होंने इस पर मुझ से सवाल किया जिसके जवाब में

मैंने कहा कि मैंने ऑस्ट्रेलिया में कोहली को खेलते देखा है वह कमाल का खिलाड़ी है। इसलिए मैंने उनका चयन किया है।''

वेंगसरकर ने दावा किया, '' श्रीनिवासन ने बद्रीनाथ का पक्ष लेते हुए कहा कि उन्होंने तमिलनाडु के लिए800 से ज्यादा रन बनाए हैं, जिस पर मैंने जवाब दिया कि उन्हें भी मौका मिलेगा। श्रीनिवासन ने फिर गुस्से में कहा कि बद्रीनाथ29 साल के है, उन्हें कब मौका मिलेगा? जिस पर मेरा जवाब था कि जब भी मौका आएगा।'' वेंगसरकर ने कहा कि इसके बाद उन्हें मुख्य चयनकर्ता से हटा दिया गया और श्रीनिवासन के चहेते क्रिस श्रीकांत को मुख्य चयनकर्ता बना दिया गया। उन्होंने कहा, '' श्रीनिवासन ने फिर श्रीकांत को चयन समिति का अध्यक्ष बना दिया और मुझे हटा दिया गया। यहीं चयनकर्ता के तौर पर मेरा करियर खत्म हो गया।''

# महिला दिवस पर जन्मी बच्चियों को चांदी का सिक्का भेंटकर किया सम्मानित

## कलेक्टर महेन्द्र पटेल सिविल में तो मेयर अस्मिता शिरोया ने स्मीमेर में दिया उपहार

**सूरत।** राज्य में बेटियों का प्रमाण बढ़ाने के आशय से राज्य सरकार द्वारा पूरे जिला में 8 मार्च अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जन्मी बेटियों के परिजनों को चांदी के सिक्के और किट्स वितरण करके प्रोत्साहित किया गया।

जिला कलेक्टर नई सिविल अस्पताल में जाकर महिला दिवस पर जन्मी 5 बच्चियों के परिजनों को एक तरफ लक्ष्मीजी तो दूसरी तरफ सरस्वतीजी की मुद्रावाले सिक्कों को अर्पण कर गुलाब के फूल, मिठाई, फिराक-टोपी, मोजा, साबुन के साथ ममता किट अर्पण कर पुत्री के जन्म पर पूरे परिवार को शुभ कामनाएं दी। इसी प्रकार स्मीमेर अस्पताल में भी नन्हीं परी अवतरण के रूप में मनपा मेयर अस्मिता शिरोया ने भी महिला दिवस पर जन्मी 5 बच्चियों को उपरोक्त वस्तुएं भेंटकर बच्ची के परिजनों को प्रोत्साहित किया। सि अवसर पर स्वास्थ्य समिति के चेयर मैन अनिल बिस्किटवाला के संग अस्पताल कमिटी के चेयरमैन, स्वास्थ्य अधिकारी, स्मी. सुपरिंटेंडेंट आदि सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

## लालदरवाजा भद्र क्षेत्र में कार्यक्रम आयोजित हुआ

# उपभोक्ता संरक्षण और कार्रवाई समिति द्वारा महिला दिवस का उत्सव

**अहमदाबाद ।** ८ मार्च को महिला दिवस होने की वजह से गुजरात सहित देशभर में महिलाओं को ध्यान में रखकर कई कार्यक्रमों और उत्सव का आयोजन किया गया था तब अहमदाबाद शहर में भी उपभोक्ता संरक्षण और कार्रवाई समिति (अखिल भारतीय) द्वारा विश्व महिला दिवस के अवसर पर ८ मार्च को महिला जागरूकता अभियान और जागो महिला जागो, सरकार में जागरूकता लाओ सहित के अनोखा कार्यक्रम आयोजित करके उत्सव को मनाया गया था । उपभोक्ता संरक्षण और कार्रवाई समिति (अखिल भारतीय) के प्रमुख मुकेश परीख की अध्यक्षता में ८ मार्च को दोपहर में १२.३० से २.३० बजे के दौरान भद्र में आयोजित विश्व महिला दिवस को अनोखा तरीके से मनाया गया था, जिसमें महिलाओं की ११ विभिन्न मांग के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक लाख महिलाओं की हस्ताक्षर के साथ आवेदनपत्र भेजने का विशेष अभियान शुरू करने का निश्चित किया गया था । महिला दिवस के अवसर पर लालदरवाजा -भद्र क्षेत्र में सैकड़ों महिलाओं और समाज की विभिन्न क्षेत्र की नामांकित बहनों-महिलाओं ने उत्सव में शामिल होकर जुलूस-रैली सहित के कार्यक्रम आयोजित किया गया था, महिला सशक्तिकरण का संकल्प दिलाया गया था ।

इस अवसर पर सैकड़ों महिलाओं ने गुलाब का वितरण करके,, चौकलेट देकर, मुंह मीठा कराकर महिला दिवस को मनाया गया था, इसके साथ कार्यक्रम के दौरान महिलालक्षी बैनरों, प्लेकार्ड के साथ महिला जागरूकता के मामले में दस हजार पत्रिका का वितरण किया गया था। इंडियन एयरफोर्स के मीग-२१ फाइटर प्लेन को उड़ानेवाली प्रथम महिला फ्लाइंग ऑफिसर अवनी चतुर्वेदी को लेडी आईकोन जारी करके अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बताकर इसे सलामी दी गई थी। ८ मार्च को महिला दिवस उत्सव के दौरान उपभोक्ता संरक्षण और कार्रवाई समिति (अखिल भारतीय) के प्रमुख मुकेश परीख की अध्यक्षता में सैकड़ों महिलाओं द्वारा भद्र बाजार और और लालदरवाजा अपना बाजार क्षेत्र में जुलूस निकाला गया था और अन्य महिलाओं को जागरूक किया गया था ।

महिलाओं को समाज में निडर बनाने के लिए, अन्याय और शोषण के खिलाफ आवाज उठाये इसके लिए उनको दस हजार पत्रिका और शिकायत फोर्म का वितरण भी किया गया और यह शिकायतों को एकत्र किया गया था । इस अवसर पर उपभोक्ता संरक्षण और कार्रवाई समिति (अखिल भारतीय) के प्रमुख मुकेश परीख ने बताया है कि, प्रधानमंत्री मोदी को महिलाओं की विभिन्न मांगों के मुद्दे पर आवेदनपत्र भेजने का अभियान शुरू किया गया है इसमें महिलाओं को जल्दी और असरकारक न्याय के लिए सरकार ने और फास्ट ट्रेक कोर्ट की रचना करके छह महीने में ही उनको न्याय दिलाने के लिए, महिलाओं का यौन उत्पीड़न करनेवाले राजनीतिक पार्टियों के कार्यकर्ता या नेताओं को टिकट नहीं देना चाहिए।

**विश्व महिला दिवस के अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी अहमदाबाद सीविल अस्पताल में पहुंचे थे और बच्चों के विभाग में पहुंचे थे ।**

# अपहरण मामले में स्थानियों ने घेरा उपायुक्त कार्यालय

**सूरत।** शहर के भाढेना पंचशील नगर वसाहत में लघुयती समाज की नाबालिक युवती का चार दिन पहले अपहरण कर लिए जाने के विरोध में स्थानीय लोगों ने असलम साइकल वाला की अगुआई में पुलिस उपायुक्त के कार्यालय का घेराव कर शीघ्रति शीघ्र कार्यावाही करने के लिए आवेदन सौंपा।

# सूरत के युवक की वापी में हत्या

## दुकान के सामने उल्टी कर देने से दुकान मालिक ने कर दी हत्या

**सूरत।** सूरत के उधना स्थित पटेल नगर में रहने वाला युवक धुलेटी के दिन अपने मित्रों के साथ दमण घुमने गया था। वहां घूमने के बाद सूरत वापस आने के लिए टैक्सी स्टैंड पर एक कपड़ी की दुकान के सामने ुल्टी कर देने से दुकान के मालिक ने युवक को इतना मारा की उसकी इलाज के दौरान अस्पताल में ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्फ्तार करके आगे की जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सूरत के ुधना पटेलगर में रहने वाले विशाल कश्यप ( 28 वर्ष) धुलेटी के दिन अपने मित्र के साथ दमण घूमने गया था। वहां घूमने के बाद सीरत आने के लिए टैक्सी स्टैंड पर आया। नानी दमण में खारीवाड के हवाला फलिया में रहने वाला और टैक्सी स्टैंड पर कपड़ा की दुकान चलाने वाले अतीख रमहान लाखाणी की दुकान के सामने विशाल उल्टी कर दिया। जिससे दुकान के मालिक अतीख लाखाणी ने विशाल पर हमला कर दिया। गंभी चोट लगने से विशाल को सेलवासा सिविल अस्पताल में ले जाया गया था। जहां पर इलाज के दौरान विशाल की 4 फरवरी को मौत हो गई। पुलिस ने हत्या के आरोपी अतीख को गिरफ्तार करके 4 दनि के लिए रिमांच पर ली है।

**सूरत।** एकता युवक मंडल द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। जिसमें महिलाओं को साड़ी, मेहंदी, एवं आगनवाड़ी के बच्चों को फल वितरण किया गया। गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एकता युवा मंडल के पदाधिकारियों और आम जनों के सहयोग से सुबह 11:30 बजे आगनवाड़ी नं. २५ से ३६ उमरवाड़ा हेल्थसेन्टर के बाजुमें उमरवाड़ा, सूरत में महिलाओं के सम्मान में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

## बाइक पर जा रही महिला के गले से चेन की छिनैती

**सूरत।** शहर के पूणा नहर ओवर ब्रिज पर अपने पति के साथ बाइक पर सवार होकर जा रही महिला के गले से पीछे से मोटरसाइकिल से आए दो उचक्के 35 हजार की सोने की चेन झपटकर फरार हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार पूणा रेणुका भावन के सामने जलवंत टाउनशीप गेट नं.3 घर नं. 103 में रहने तथा सेवानिवृत जीवन व्यतीत करने वाले धीरूभाई परषोत्तम जियाणी (62 वर्ष) गत रोज शाम को अपने रिश्तेदार के यहां वैवाहिक प्रसंग से रात 9 बजे लौट रहे थे। उसी समय पूणा नहर ओबर ब्रिज पर जाते समय पीछे से मोटरसाइकिल पर आए दो उचक्के बाईक पर पीछे बैठी धीरूभाई की पत्नी के गले में से 35 हजार की सोने की चेन झपटकर फरार हो गए। चेन झपटने के दौरान उनकी बाइक में धक्का लगने से दंपती गिर गए और उनको चोटें भी आई हैं। घटना के संदर्भ में पूणा पुलिस रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच कर रही है।

# हिस्सेदारी के धंधे में अतिविश्वास पर हुआ 90 लाख का विश्वासघात

**संवाददाता, सूरत।** शहर के भटार रोड उमाभवन के पास रहने वाले एक कपड़ा व्यापारी ने हिस्सेदारी के धंधे में जरूरत से अधिक विश्वास कर लेने पर उसको धंधे में लाभ के बदले 90 लाख रुपए का धोखाधड़ी किए जाने जाने का मामला सलाबतपुरा पुलिस में दर्ज कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भटार रोड उमा भवन के सामने साकृति अपार्टमेंट में रहने वाले नितीनकुमार विपिन शाह रिंग रोड टेक्सटाइल मार्केट में कपड़ा का व्यवसाय करते हैं। वर्ष 2014 में इंदौर मध्यप्रदेश गौरव नगर एरोदम रोड दुकान नं. 219 के प्रोपराइटर राजेश कुमार जैन अपने बेटे नमन को कपड़ा का धंधा सीखाने के लिए नितीन शाह से बोले। नितीन शाह इनकी बातों में आकर राजेस के बेटे नमन को धंधा सिखाने के लिए अपनी दुकान पर रख लिए। इसके बाद नितीनभाई ने नमन पर जरूरत से अधिक विश्वास करते हुए विमलनाथ इम्पेक्ष शुरू किए और उसका प्रोपराइटर नमन को बना दिए। वहा का सभी एकाउन्ट का काम नमन ही देखता था। नितीनभाई को अधिक विश्वास करना उस समय भारी पड़ गया जब नयन अंदर ही अंदर धंधा का सभी व्यवहार देखने लगा। नितीन के विश्वास का लाभ उठाते हुए नमन ने विमलनाथ इम्पेख्स और यशवी क्रियेशन फर्म के खातों में गलत तरीके से इन्ट्री करके करीब 75 लाख रुपए और व्यापारियों के पास से लगभग 20 लाख रुपए सहित कुल 90 लाख रुपए डकार कर नितीन के साथ विश्वासघात किया है। घटना के संदर्भ में नितीनभाई ने सलाबतपुरा पुलिस में नमन और उसके पिता राजेश कुमार जैन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराया है। पुलिस मामले को दर्ज करके जांच कर रही है।

## दुकान का शटर उठाकर छह लाख रुपए का माल चोरी

**सूरत।** शहर के कतारगांव गजेरी स्कूल के बगल ाने वाले वी प्लाजा की दुकान का शटर चोरों ने उठाकर विविध कंपनी के 21 मोबाइल व नकदी सहित कुल 6 लाख रुपए से अधिक का माल लेकर फरार हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कापोद्रा की नीलकमल पार्क सोसाइटीपुलिस चौकी के पीछ घर नं. 23 में रहने वाले पंकज मनसुखभाई गोधाणी कतारगांव की गजेरा स्कूल के पास वी प्लाजा दुकान नं. 106 में मोबाइल की दुकान चलाते हैं। बुधवार की रात 1 बजे के बाद एक अज्ञात ने दुकान का शटर एक तरफ से उठाकर अंदर प्रवेश किया है वहां से विविध कंपनी के 21 नया मोबाइल तता मरम्मत के लिए गहकों का 4 मोबाइ, 29 हजार रुपए नकद सहित कुल 6,02,500 रुपए का माल चोरी करके फरार हो गया। घटना के संदर्भ में पंकडभाई ने कतारगांव पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराया है। पुलिस दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज के आधार पर जांच शुरू की है।

# कपड़ा व्यापारी के बेटे की रहस्यमय मौत

**सूरत।** पांडेसरा में एक कपड़ी व्यापारी का 17 वर्षीय बेटा सिर में लगी चोट हालत में मिला। जिसको इलाज के 108 के द्वारा सिविल अस्पताल में ले जाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने जांच करने के बाद मृ घोषित कर दिया। व्यापी का बेटा कक्षा-10 में पढ़ रहा था और आगामी दिनों बोर्ड की परीक्षा देने वाला था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अलथाण स्थित मानसरोवर बंगला में तुलसीसिंह राजपूत परिवार के साथ रहते हैं और कपड़ी का व्यापार करते हैं। इनके बेटा अमीतसिंह राजपूत सनफ्फ्लावर स्कील में कक्षा-10 में पढ़ता था। गत रोज अमीत घर से बोर्ड परीक्षा का सेंटर देखने के लिए निकला था। उसी दौरान पांडेसरा तेरेनाम चोकड़ी के पास सिर में घाव लगे हालत में मिला। जिसको तत्काल 108 के द्वारा इलाज के लिए सिविल अस्पताल में ले जाया गया। जहां पर डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दज4 करके जांच शुरू की है। जबकि अमीत के सिर में चोट के सिवाय शरीर में अन्य कहीं पर भी चोट के निशान नहीं मिलने से अमीत की मौत रहस्य बन गई है। अमीत आगामी कक्षा-10 की बोर्ड परीक्षा देने की तैयारी कर रहा था।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com